हिन्दी-कज़ाख़,
कज़ाख़-हिन्दी
शब्दकोश

Хинди-қазақ,
қазақ-хинди
СӨЗДІГІ

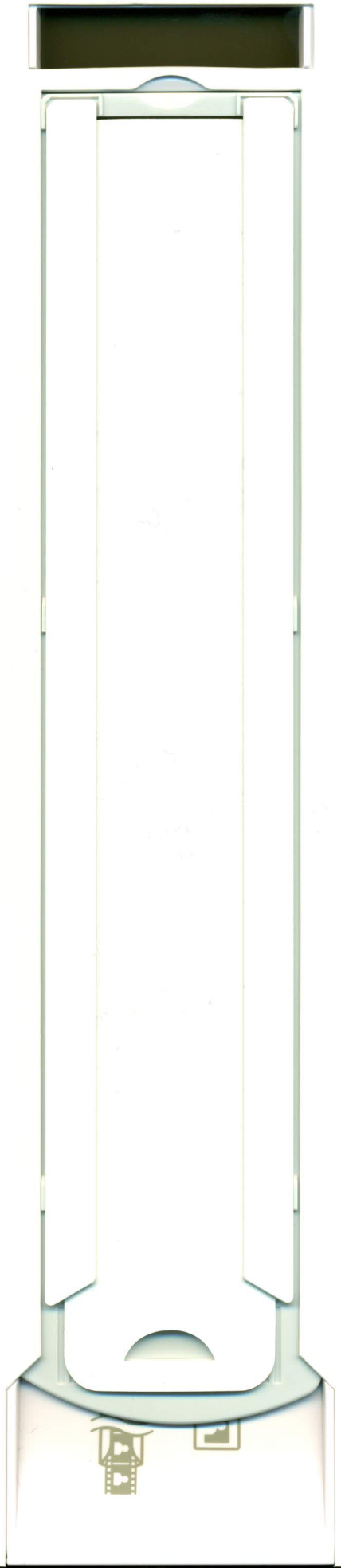

ӘОЖ 80/81 (038)
КБЖ 81.2 я 2
Х 46

Баспаға әл-Фараби атындағы Қазақ ұлттық университеті шығыстану факультетінің Ғылыми кеңесі шешімімен ұсынылған

Пікір жазғандар:
филология ғылымдарының докторы, профессор ***Б.Н. Жұбатова***
тарих ғылымдарының кандидаты, үндітанушы ***Е.И. Руденко***

Құрастырғандар:
З.Е. Искакова, С.Н. Досова,
Д.М. Кокеева, Б.С. Бокулева

Х 46 **Хинди-қазақ,** қазақ-хинди сөздігі / құраст.: Искакова З.Е., Досова С.Н., Кокеева Д.М., Бокулева Б.С. – Алматы: Қазақ университеті, 2016. – 458 б.
ISBN 978-601-04-1685-7

Сөздікте қазіргі әдеби хинди тілінің 5000-нан астам және қазақ тілінің 3000-нан астам сөзі қамтылған. Сөздікте қоғамдық-саяси, мәдениет, өнер, тұрмысқа қатысты сөздер енгізілген. Сөздердің грамматикалық ерекшеліктері және этимологиясы берілген.

Сөздік үндітанушы аудармашыларға, студенттерге, сонымен қатар жалпы тіл үйренушілерге арналған.

ӘОЖ 80/81 (038)
КБЖ 81.2 я 2

© Құраст.: Искакова З.Е., Досова С.Н., Кокеева Д.М., Бокулева Б.С., 2016
© Әл-Фараби атындағы ҚазҰУ, 2016

ISBN 978-601-04-1685-7

प्राक्कथन

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता है कि सुदूरपूर्व तथा दक्षिण एशिया पीठ, अल-फराबी कज़ाख राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का भारतीय अध्ययन विभाग हिंदी-कज़ाख-हिंदी शब्दकोश का प्रकाशन कर रहा है। इस शब्दकोश का प्रकाशन कज़ाखस्तान में भारतीय अध्ययन और भारत में मध्य एशियाई अध्ययन के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

हिन्दी न केवल भारत की राजभाषा है, बल्कि यह भारतीय सभ्यता तथा संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। यह लगभग 40 प्रतिशत भारतीय जनसंख्या द्वारा प्रथम भाषा के रूप में बोली जाती है। भारत जैसे बहुभाषी तथा सांस्कृतिक विविधताओं से परिपूर्ण देश में हिंदी एक सम्पर्क भाषा का भी काम करती है।

मुझे विश्वास है कि यह शब्दकोश कज़ाखस्तान में हिंदी भाषा और भारत में कज़ाख भाषा के अध्ययन में योगदान देगा। यह कज़ाख छात्रों को भारत की सांस्कृतिक विरासत और सभ्यता को बेहतर ढंग से समझने और भारतीय छात्रों को कज़ाख संस्कृति और विरासत के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने में भी अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा।

मैं श्री गालिमकैर मुतानोव, कुलपति, अल-फराबी कज़ाख राष्ट्रीय विश्वविद्यालय को भारत और कज़ाखस्तान के बीच शैक्षिक तथा सांस्कृतिक संबंध विकसित करने में उनकी गहरी रुचि और इच्छा के लिए धन्यवाद देता हूँ। इस शब्दकोश के प्रकाशन में उनकी अहम भूमिका रही है।

मैं डॉ. जुबातोवा बायन, सुदूरपूर्व एवं दक्षिण एशिया पीठ की डीन को इस परियोजना के मार्गदर्शन के लिए और डॉ. सेनिमगुल दोसोवा, असोसिएट प्रोफेसर - इस परियोजना की अध्यक्षा तथा मुख्य संपादक, सुश्री इस्काकोवा ज़ौरे, वरिष्ठ प्राध्यापक, डॉ. कोकीवा दरीगा, असोसिएट प्रोफेसर और डॉ. बोकुलेवा बोता, वरिष्ठ प्राध्यापक की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस शब्दकोश के प्रकाशन के लिए समर्पण और उत्साह के साथ कार्य किया। मैं सुश्री रेखा द्विवेदी निदेशक, राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली को हिंदी शब्दों की समीक्षा और इस कार्य में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के योगदान की भी सराहना करता हूं।

(Harsh K.Jain)Ambassdor of India, Astana